12. आत्मविश्वास

सोचो-बोलो

प्रश्न :

1. चित्र में क्या दिखायी दे रहा है?
2. इनके लिए आप क्या करना चाहेंगे?
3. इनकी सहायता करने के लिए खड़ा लड़का क्या कह रहा होगा?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. यह पाठ पढ़िए। समझ में न आने वाले शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. समझ में न आने वाले शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. समझ में न आने वाले शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

SCERT TELANGANA

रोहित पिछले साल छुट्टियाँ बिताने कश्मीर गया था। लौटते समय एक दुर्घटना में वह सुनने की शक्ति खो बैठा। वह खुद को लाचार महसूस करने लगा। वह उदास रहने लगा।

एक दिन रोहित के पिता ने उसे कुछ किताबें देते हुए समझाया, ''तुम सुन नहीं पाते हो तो क्या हुआ, देख तो सकते हो। जीवन में कुछ बनना है, तो खूब पढ़ो।''

एक दिन वह बगीचे में बैठा था। एक चिड़िया आकर पेड़ पर बैठ गई। वह एक रंग-बिरंगी चिड़िया थी। रोहित ने उसे देखा, तब उसके मन में आया कि उस सुंदर चिड़िया का चित्र बनायें। रोहित ने तुरंत ही कॉपी-पेंसिल निकाली और चिड़िया का चित्र बना डाला। उसे वह चित्र बहुत अच्छा लगा। एक दिन वह तश्तरी में रंग मिला रहा था। उसने पिता को दरवाज़े पर खड़ा देखा।

रोहित की रुचि को देखकर उसके पिताजी रंग, ब्रश और सफेद काग़ज़ के बंडल ले आये। यह देखकर रोहित बहुत खुश हुआ।

रोहित ने उसी क्षण तय कर लिया कि वह मेहनत से काम करेगा। वह जानता था कि चित्र बहुत सुंदर है तो देखनेवाले उसे पसंद करते हैं। अब रोहित पूरी मेहनत से चित्रकारी में जुट गया। वह अपने आर्ट स्कूल में कला का अभ्यास तो करता ही था। घर पर अपने कमरे में भी चित्रों और रंगों से खेलता रहता था। उसने सैकड़ों चित्र बना डाले। लोग उसके चित्रों को देखते तो उसकी बड़ी प्रशंसा करते। उसके चित्रों की प्रदर्शनी भी लगने लगी। इसमें देश भर से और विदेश से भी लोग उसके चित्रों को देखने आते थे। वे अच्छी क़ीमत देकर इन चित्रों को खरीदने भी लगे।

सच है, प्रेरणा और आत्मविश्वास से सफलता मिलती है।

SCERT TELANGANA

सुनो-बोलो

1. रोहित की तरह आपको किन चीज़ों में रुचि हैं?

2. आत्मविश्वास के रहने पर हम क्या-क्या कर सकते हैं?

पढ़ो

(अ) उचित शब्द से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।

1. रोहित .....(पत्रकार / चित्रकार) है।

2. वह ..... (सुनने / बोलने) की शक्ति खो बैठा।

3. एक दिन वह ..... (बस / बगीचे) में बैठा था।

4. लोग उसके चित्रों की बड़ी ..... (बुराई / प्रशंसा) करते थे।

(आ) निम्न लिखित व्यक्तियों को क्या कहते हैं?

जैसेः जो चित्र बनाता है उसे चित्रकार कहते हैं। उसी प्रकार

- जो कविता लिखता है .....

- जो अभिनय करता है .....

- जो गाना गाता है .....

लिखो

रोहित के द्वारा बनाए गए चित्र के बारे में दो वाक्य लिखिए।

.....

.....

SCERT TELANGANA

शब्द भंडार

रोहित बगीचे में बैठा था। अब बताइए कि घूमने के लिए आप कहाँ-कहाँ जाते हैं?

....

भाषा की बात

लड़का तेज़ दौड़ता है। लड़का धीरे-धीरे चलता है।

ऊपर दिये गये वाक्यों में तेज़, धीरे-धीरे आदि शब्द संज्ञा या सर्वनाम द्वारा किये गये कार्य की विशेषता बताते हैं। ऐसे शब्दों को क्रिया विशेषण कहते हैं।

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

अपना मनपसंद चित्र बनाकर उसके बारे में दो-तीन वाक्य लिखिए।

.....

.....

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. मैं पाठ के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ। 2. मैं पाठ का सारांश अपने शब्दों में बता सकता/सकती हूँ। 3. मैं पाठ के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		

लक्ष्य प्राप्त करने की दृढ़ इच्छा हो तो विकलांगता या अन्य कोई भी परिस्थिति अड़चन नहीं बन सकती।

SCERT TELANGANA

कंजूस सेठ

पढ़ो-आनंद लो

एक था सेठ। एक दिन उसे नारियल की ज़रूरत पड़ गयी। वह नारियल लेने बाज़ार पहुँचा। उसने दुकानदार से पूछा- "एक नारियल कितने का ?"

दुकानदार बोला- "दस रुपये का।"

सेठ बोला- "दस रुपये के दो दे दो ना।"

दुकानदार बोला- "आगे मिलेंगे।"

सेठ आगे गया। वहाँ दस रुपये के दो नारियल मिल रहे थे।

सेठ बोला- "दस रुपये के चार दे दो ना।"

दूसरा दुकानदार बोला- "आगे मिलेंगे।"

सेठ आगे गया। वहाँ दस रुपये के चार नारियल मिल रहे थे।

सेठ बोला- "दस रुपये के आठ दे दो ना।"

तीसरा दुकानदार बोला- "आगे नारियल के पेड़ हैं। वहीं से तोड़ लो। कुछ भी नहीं देना पड़ेगा।"

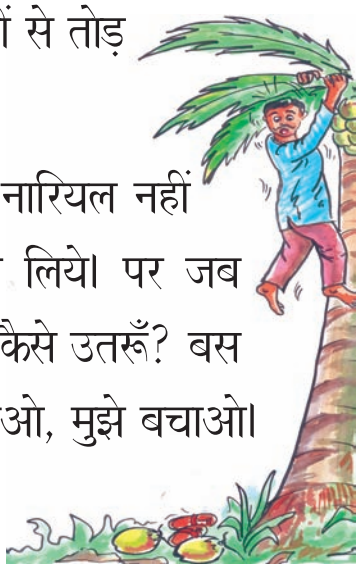

सेठ पेड़ के पास पहुँचा। उसने पेड़ पर से पहले कभी नारियल नहीं तोड़े थे। वह पेड़ चढ़ गया। खूब सारे नारियल तोड़ लिये। पर जब उतरने के लिए सोचा तो डरने लगा। इतने ऊँचे पेड़ से कैसे उतरूँ? बस वह पेड़ पर लटके-लटके ही चिल्लाने लगा- "मुझे बचाओ, मुझे बचाओ। बचाने वाले को दो हज़ार रुपये दूँगा..."

SCERT TELANGANA